संपादकीय

'सुपर शतकवीर' शुभमन

वाह कप्तान शुभमन गिल...! क्या शानदार उपलब्धि हासिल की है कि 25 साल 297 दिन की उम्र का बल्लेबाज शुभमन गिल भी मंसूर अली खां पटौदी, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली सरीखे टीम इंडिया के ऐतिहासिक बल्लेबाजों की श्रेणी में प्रवेश कर गया। टेस्ट कप्तान के तौर पर गिल ने 269 रन (30 चौके और 3 छक्के) की जो विराट पारी खेली है, उससे वह 'सर्वोच्च कप्तान' बन गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ, इंग्लैंड की सरजमीं पर, गावस्कर ने 1979 में 221 रन और 'दौबार' द्रविड़ ने 2002 में 217 रन की 'सुपर पारियां' खेली थीं, लेकिन वे टीम के कप्तान नहीं थे। ऐसे ऐतिहासिक बल्लेबाजों के कीर्तिमानों को पीछे छोड़ कर 269 रन का अपना 'मील पत्थर' स्थापित करना कितना सुखद और गुदगुदाने वाला लगता होगा! शुभमन ने टीम इंडिया के 'विराट बल्लेबाज' विराट कोहली के अभी तक के विराट स्कोर 254 रन को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ वह मैच पुणे (भारत) में खेला गया था। बल्लेबाजों की कतार में 319 रन ठोंकने वाले वीरेंद्र सहवाग वाकई 'सर्वोच्च' रहे, हालांकि वह टीम कप्तान कभी नहीं रहे। करुण नायर ने भी 300 रन का आंकड़ा पार किया है, हालांकि वह करियर के दूसरे चरण में अभी 'अग्नि-परीक्षा' के दौर से गुजर रहे हैं। वीवीएस लक्ष्मण ने भी स्टीव वॉ की ऑस्ट्रेलियाई अजेय टीम के खिलाफ 281 रन बनाए थे, लेकिन शुभमन गिल की अप्रतिम उपलब्धि यह है कि वह टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान हैं और अपेक्षाकृत युवा और नए अनुभव वाले खिलाड़ी हैं। पूरी टीम ही युवा और नई है। यह भारतीय क्रिकेट का संक्रमणकाल है। दिग्गज और शतकवीर बल्लेबाज सेवामुक्त हो चुके हैं। इंग्लैंड की सरजमीं पर कप्तान के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के बॉबी सिम्पसन की 311 रन (1964) और दक्षिण अफ्रीका के युवा ग्रीम स्मिथ की 277 रन (बर्मिंघम, 2003) की पारियों के बाद शुभमन तीसरे स्थान पर हैं। वे दिग्गज बल्लेबाज भी अतीत हो चुके हैं। सिर्फ गिल ही मौजूदा दौर में खेल रहे हैं, लिहाजा 269 रन का कीर्तिमान भी अतुलनीय है। गिल अपनी कप्तानी में दूसरा टेस्ट मैच ही खेल रहे हैं। उन्हें कई और मील-पत्थर पार करने हैं। कप्तान शुभमन एशिया के भी 'सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज' बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के तत्कालीन कप्तान दिलशान की 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली 193 रनों की पारी को भी पीछे कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि शुभमन का प्रथम दोहरा शतक लगभग त्रुटिहीन और सटीक था। उन्होंने मात्र 3.5 फोसदी शॉट्स ही गलत खेले। बहरहाल इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 587 रनों का पहाड़ बुन दिया है। यह कथन इसलिए सही है, क्योंकि इंग्लैंड के 3 शतकवीर बल्लेबाज मात्र 25 रनों पर ही ढह गए हैं। यह बड़ी विराट चुनौती है। यह इंग्लैंड की सरजमीं पर 18 लंबे सालों के बाद संभव हुआ है, जब टीम इंडिया ने 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। यह संभव इसलिए हो सका, क्योंकि गिल ने ऐतिहासिक 269 रन की पारी खेली, भारत ने 371 रन पांच विकेट गिरने के बाद बनाए। यह इतिहास का टीम इंडिया का सर्वोच्च स्कोर है। गिल एक ही सीरिज में 400 रन बनाने के बहुत करीब पहुंच गए हैं। यह पांच मैचों की शृंखला है।

आर्थिकी-रोजगार बढ़ा रहा सहकारिता क्षेत्र

सहकारिता मंत्रालय ने सहकार से समृद्धि के नारे को वास्तविक बनाने के लिए दो कदम उठाए हैं। उसने सभी कोऑपरेटिव में सहयोग के लिए प्रयास किया है। लेकिन सहकारिता मंत्री ने इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए एक ऐसी सहकारी संस्था बनाने का ऐलान किया है जो प्राइवेट एग्रीगेटर ऐप्प बेस्ड कैब सेवा ओला और उबर की तर्ज पर होगी, जिससे कैब ड्राइवरों की इनकम में भारी इजाफा होगा। इसका नाम सहकार टैक्सी होगा और इसके ड्राइवरों को किसी को कट या कमीशन नहीं देना होगा। यह सहकार से समृद्धि का एक बड़ा उदाहरण होगा। इसमें दू व्हीलर, फोर व्हीलर, थ्री व्हीलर वगैरह सभी आएंगे और इससे लाखों ड्राइवरों की आय बढ़ेगी। इसके अलावा इस क्षेत्र में बीमा कंपनियां स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर भी काम चल रहा है। सहकारिता मंत्रालय जल्दी ही एक सहकारी बीमा कंपनी बनाने जा रहा है, जो देश के सभी कोऑपरेटिव को बीमा मुहैया कराएगी। मंत्रालय इसे भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के रूप में स्थापित करना चाहता है।

वर्ष 2024 में भारत के सहकारी क्षेत्र ने दुनिया में धूम मचा दी और उसके दो सहकारी संगठनों को पहले और दूसरे पायदान पर रखा गया। ये हैं इफको और जीसीएमएमएफ जिसका अमूल ब्रांड सारे देश में जाना जाता है। इन दोनों ने अपने कामकाज और टर्नओवर से सारी दुनिया में अपना डंका बजवाया। इफको, जिसका पूरा नाम इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड है, विश्व की सबसे बड़ी उर्वरक सहकारिता संस्था है। यह किसानों को सस्ती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए 1967 में स्थापित की गई थी। इफको मुख्य रूप से उर्वरकों के उत्पादन और विपणन में संलग्न है और इसकी 5 प्रमुख इकाइयां भारत में स्थित हैं। भारत के सहकारी परिदृश्य में इनका स्थान रोजगार, उत्पादन और कारोबार के लिहाज से अद्वितीय है। सिर्फ ये ही नहीं, भारत में हजारों सहकारी संस्थाएं हैं जो जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं तथा आमजन के सशक्तिकरण में हाथ बंटा रही हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारी सहकारी संस्थाएं महिलाओं और सीमांत किसानों के आर्थिक विकास में बड़ा काम कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में लाखों किसान इन सहकारी संस्थाओं से जुड़कर साहूकारों के कर्ज के जाल से निकलने में सफल हुए। इनसे महिलाओं को इतनी कमाई हुई कि आज देश में 1.15 करोड़ लखपति दीदियां हैं। जाहिर है कि हमारी सहकारी संस्थाएं आर्थिक समृद्धि के सेतु बन गई हैं। सहकारी संस्थाओं से ऋण लेकर करोड़ों लोग अपना काम कर रहे हैं और सफल भी हो रहे हैं। इनकी व्यापक उपस्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश में 8.5 लाख सहकारी संस्थाएं हैं और उनके 29 करोड़ सदस्य हैं।

2019 के पहले देश में सहकारी संस्थाएं पूरी तरह से राज्यों के हाथ में थीं और तमाम तरह की समस्याओं से जूझ रही थीं। उन्हें कई तरह के नियम-कानूनों का सामना करना पड़ता था। उनकी देखरेख का काम कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के पास बंटे हुए थे। इससे हमेशा विलंब होता था और कई तरह के विवाद भी उठ खड़े होते थे। प्रशासन में कई तरह की अड़चनें सामने आती थीं। हर राज्य अपने तरीके से इन्हें चलाने की कोशिश करता था। इन बाधाओं को दूर करने के लिए ही मोदी सरकार ने 2021 में सहकारिता मंत्रालय को सृजित किया। यह गृह मंत्री अमित शाह के पास पूरी तरह से कर दिया गया। सहकारिता मंत्रालय सृजित करने के पीछे पीएम मोदी के मिशन 'सहकार से समृद्धि' की मूल भावना थी। इसके तहत छोटी-छोटी सहकारी संस्थाओं को मजबूत करना, सहकारिता पर आधारित एक अर्थव्यवस्था खड़ी करना, आर्थिक सुधारों को लागू करना और ट्रेनिंग वगैरह की व्यवस्था करना शामिल है। राष्ट्रीय स्तर के सहकारी संगठनों को और भी मजबूत करना सहकारिता मंत्रालय के ही कार्य हैं। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इन संस्थाओं को पूरी तरह से मॉडर्न बनाने तथा डिजिटाइज करने की दिशा में महती कदम उठाया और इसके परिणाम भी देखने में आने लगे हैं। देश भर में प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट सोसायटियों के कंप्यूटराइजेशन पर 2516 करोड़ रुपए खर्च किए गए जिससे 43658 कंप्यूटरों तथा उपयुक्त सॉफ्टवेयर पूरी तरह से लैस हैं। सहकारिता मंत्रालय ने 8 लाख ऐसी कोऑपरेटिव सोसायटियों के 30 करोड़ सदस्यों का डेटा तैयार कर रखा है जिससे उनसे सीधे जुड़ना संभव है। 43000 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसायटियों को कॉमन

सर्विस सेंटर में बदला जा चुका है जिनसे ग्रामीणों तथा आदिवासियों को सरकार की 300 स्कीमों की हाथों-हाथ जानकारी मिल सके और उनका फायदा हो। इन सभी की सफलता देखते हुए सरकार ने दो लाख नए प्राइमरी एग्रीकल्चर सर्विस सेंटर बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है ताकि हर पंचायत में इनकी पहुंच हो। ऋण वितरण को भी बड़े पैमाने पर बढ़ाया गया है और यह 128000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जबकि 2021 में यह राशि महज 25000 करोड़ रुपए थी। अब किसानों के लिए ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध हो जाने से और उस तक किसानों की पहुंच हो जाने से सूदखोर साहूकारों से छुटकारा मिलने लग गया।

अब किसानों को ऋण के लिए यहां-वहां दौड़ना नहीं पड़ता है और उन्हें अपनी पंचायत में ही जरूरी कागजात जमा करने होते हैं और उसके बाद उन्हें ऋण मिल जाता है। इसमें पूरी पारदर्शिता होती है क्योंकि भुगतान डिजिटल मोड में होता है। इस तरह के ऋण में किसी तरह की छूपी हुई रकम नहीं होती है। बड़ी तादाद में किसान इसका फायदा उठा रहे हैं। आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने में सहकारिता का बड़ा हाथ है। इन्हें बिना भागदौड़ और बिचौलियों के अब ऋण मिल जाता है जिसका वे छोटे-छोटे उपक्रमों में इस्तेमाल करती हैं और साल भर में लाख सवा लाख रुपए आसानी से कमा लेती हैं। देश भर में जो कृषि ऋण बंटता है, उसका 20 फोसदी सहकारी संस्थाओं के जरिये जाता है। 35 फोसदी फर्टिलाइजर का वितरण इन्हीं सोसायटियों के माध्यम से होता है। भारत के कुल जीडीपी का 4.5 फोसदी सिर्फ दुग्ध क्षेत्र से आता है। इसका ही नतीजा है कि सहकारी संस्थाओं में रोजगार बढ़ता जा रहा है। इस पर जोर दिया जा रहा है ताकि रोजगार के अवसर और बढ़ाए जा सकें।

सहकारिता मंत्रालय ने सहकार से समृद्धि के नारे को वास्तविक बनाने के लिए ये कदम उठाए हैं। उसने सभी कोऑपरेटिव में सहयोग के लिए प्रयास किया है। लेकिन सहकारिता मंत्री ने इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए एक ऐसी सहकारी संस्था बनाने का ऐलान किया है जो प्राइवेट एग्रीगेटर ऐप्प बेस्ड कैब सेवा ओला और उबर की तर्ज पर होगी, जिससे कैब ड्राइवरों की इनकम में भारी इजाफा होगा। इसका नाम सहकार टैक्सी होगा और इसके ड्राइवरों को किसी को कट या कमीशन नहीं देना होगा। यह सहकार से समृद्धि का एक बड़ा उदाहरण होगा। इसमें टू व्हीलर, फोर व्हीलर, थ्री व्हीलर वगैरह सभी आएंगे और इससे लाखों ड्राइवरों की आय बढ़ेगी। इसके अलावा इस क्षेत्र में बीमा कंपनियां स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर भी काम चल रहा है। सहकारिता मंत्रालय जल्दी ही एक सहकारी बीमा कंपनी बनाने जा रहा है, जो देश के सभी कोऑपरेटिव को बीमा मुहैया कराएगी। मंत्रालय इसे भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी के रूप में स्थापित करना चाहता है। सहकारिता मंत्री अमित शाह का मानना है कि एक विकसित अर्थव्यवस्था के लिए एक सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होती है और यह सरकार उसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर भी खुशी जाहिर है कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को इंटरनेशनल इयर ऑफ कोऑपरेटिव घोषित किया है। सारी दुनिया में इस साल यह 5 जुलाई को मनाया जा रहा है। भारत में सहकारिता के बढ़ते कदम से अर्थव्यवस्था में तेजी आई है और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

-मधुरेंद्र सिन्हा

सूचना

दैनिक सच एक्सप्रेस में प्रदेशभर के 42 जिला प्रतिनिधि व 200 से अधिक तहसील और विकासखण्ड प्रतिनिधि सेवाएं दे रहे हैं। लगभग यह सभी किसी अन्य न्यूज एजेंसी या सोशल मीडिया से भी जुड़े हुए हैं। अखबार के अलावा किसी अन्य प्लेटफार्म पर इनकी टिप्पणी या समाचार को दैनिक सच एक्सप्रेस से जोड़कर न देखा जाए।

प्रबंध सम्पादक

शेष शैय्या पर शयन करेंगे बैकुंठवासी सृष्टि की सत्ता संभालेंगे कैलाशवासी

जीवन समाधान

महाराज
वैभव भटेले
(वर्ग. अध्यापन एवं राष्ट्रीयता के ओजस्वी वक्ता)
Mobile No.
9303139229

जिस तरह परिवार समाज और राष्ट्र का नेतृत्व उसका कोई मुखिया करता है इसी तरह से समग्र संसार का नेतृत्व उस परम सत्ता के हाथ में होता है। जो कभी निराकार तो कभी साकार रूप में अवतरित होकर संपूर्ण जीव जगत को संरक्षण देता है। कभी-कभी देव सत्ताओं की जिम्मेदारियों में भी परिवर्तन होते रहते हैं। सनातन शास्त्रों के अनुसार इस सृष्टि जगत के सृजक ब्रह्मा हैं संवर्धक विष्णु है और संहारक के रूप में महेश माने गए हैं।

लेकिन कालचक्र के विधान अनुरूप इन देव सत्ताओं में भी प्रभार परिवर्तन देखने को मिलता है। जिसके तहत अषाढ़ शुक्ल पक्ष की यह एकादशी विशेष मानी गई है। इस एकादशी को देवशयनी एकादशी के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त है। शास्त्रानुसार इस पवित्र तिथि में शेषशैय्या पर शयन करेंगे बैकुंठवासी, सृष्टि की सत्ता संभालेंगे कैलाशवासी! अर्थात भगवान श्री हरि विष्णु आने वाले कार्तिक मास शुक्लपक्ष देव उठनी एकादशी तक क्षीरसागर में शेषनाग की शैय्या पर शयन करेंगे। इस दौरान भगवान शंकर संपूर्ण सृष्टि जगत की सत्ता संभालेंगे। ऐसा बताया जाता है कि इन दिनों में देवाधिदेव महादेव अपनी समाधि से जागृत होते हैं। निराकार से साकार होते हैं और प्राणीमात्र को संरक्षित करते हैं। इस पूरे 4 माह के कालखंड को शास्त्रकारों ने चातुर्मास की संज्ञा दी है। जिसके चलते बड़े-बड़े संत साधक कहीं एकांत तीर्थ देवालयों और शिवालयों में ध्यानस्थ होकर उस परमसत्ता पर अपनी दृष्टि जमाते हैं जो हम सबका पालनहार है। चातुर्मास के चलते संत साधक और पवित्र ब्राह्मणों के सानिध्य में असंख्य सनातनी वेद शास्त्र और पुराणों पर आधारित प्रवचन भजन आदि में तल्लीन रहते हैं। कुल मिलाकर देवशयनी से देवउठनी एकादशी तक का यह पुण्यकाल प्राणी मात्र के जीवन को पुष्ट बनाता है और धन व ऐश्वर्य से समृद्ध करता है। इसलिए चातुर्मास के इन दिनों में श्रद्धावान भक्त किसी संत शरण में जाकर या फिर अपने घर पर ही शिव साधना और विष्णु उपासना से स्वयं को समृद्ध बनाएं और जीवन समाधान पाएं।

सच वाणी

सभी आलेख लेखकों के अपने विचार हैं। दैनिक सच एक्सप्रेस सभी विषयों पर तटस्थ था, है और रहेगा।

अवधपुरी के लिए मुनिसंघ का मंगल विहार कल

भोपाल। किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि तभी हांसिल होती है, जब आप अपनी चर्चा को चर्चा में परिणित करते है,चर्चा यदि चर्चा में परिणित न हों तो वह चर्चा कोरी है उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने 1100 क्वाटर में व्यक्त किये। मुनि संघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया 6 जुलाई सोमवार को प्रात 6 बजे मुनिसंघ का मंगल विहार 1100 क्वॉटर से अवधपुरी की ओर होगा यहा पर विद्या प्रमाण गुरुकुलम् एवं विद्यासागर प्रवंधकीय संस्थान तथा सकल दि. जैन समाज द्वारा मुनिसंघ की मंगल अगवानी की जाऐगी एवं मुनिसंघ के मंगल प्रवचन 8:30 से प्रतिदिन यहीं पर होंगे ।ज्ञातव्य रहेश जुलाई 2025 से चातुर्मास प्रारंभ होंने जा रहा है,तथा चातुर्मास की सभी तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है। अवधपुरी में समाज बंधुओं के साथ-साथ विद्या प्रमाण गुरुकुलम् के बच्चों तथा स्टाफ में बहुत उत्साह है। 10 जुलाई को संघस्थ मुनिराज श्री संधान सागर महाराज का 11 वां दीक्षा दिवस है जो कि श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा एवं 13 जुलाई रविवार को दौपहर में 2 बजे से चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम शुरु होगा,जो कि भगवान महावीर के मोक्षकल्याणक तक अर्थात दीपावली तक चलेगा। इस बीच में रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, पर्वराज पर्युषण पर विशेष श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन होगा। इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि 'पर्व आते है,और चले जाते है' इससे आपके जीवन में क्या उपल्वधियां हांसिल होती है,यह आपको जानना है,ऐसे कभी अवसर आपके जीवन में आये और चले गये लेकिन स्लेट कोरी की कोरी ही पड़ी है, मुनि श्री ने कहा कि 25 वर्ष उपरांत भोपाल में यह मेरा चातुर्मास होंने जा रहा है, फिर आगे कब आएगा यह हम और आप नहीं जानते लेकिन इस चातुर्मास में आपके भावों में, तथा आपके विचारों में और व्यवहार में परिवर्तन आना चाहिये तब तो इस चातुर्मास की कोई उपलब्धि है। आचार्य कुंद कुंद कहते है कि 'चारित्रं खलु धम्मं' बाह्य वृत नियम और संयम के साथ साथ अंतरंग के परिणामों में भी सुधार आना चाहिये,अंतरंग के परिणाम तभी सुधरते है जब आप अपनी चर्या में परिवर्तन करते है, मन बचन,और काय के परिणामों को सुधारने लिये 'भावनायोग' सबल आधार है उन्होंने कहा कि अकेले बातों से नहीं स्वं की गल्तिओं को स्वीकार करने की आदत डालो। प्रवचन सुनने से काम नहीं चलेगा उन प्रवचनों को बौद्धिक स्तर से निकलकर दिल में उतरना चाहिये, दिमाग की वातें यदि दिल में उतर जाये तो परिवर्तन आ जाऐ 'चिंता नहीं चिंतन करो' चिंता से समाधान नहीं मिलता, चेष्ठा से समाधान मिलता है। रास्ता खोजोगे तभी आप आगे बढ़ पाओगे, 'मार्ग पूंछने वाले को मंजिल नहीं मिलती मार्ग पर चलने वाले को मंजिल मिलती है'।

पूज्य गुरुदेव विनंद सागरजी मुनिराज की भव्य मंगल अगवानी

भोपाल। जिनके हृदय में तीर्थंकर भगवान नेमि प्रभु और आचार्य विनम्र गुरु का है वास,ऐसे युवा प्रणेता पूज्य गुरुदेव विनंद सागर जी मुनिराज ससंघ आज मैनिट चौराहा पर भव्य मंगल आगवानी की गई। पंचशील नगर जैन मंदिर से विहार होकर श्री 1008 श्री अजीत नाथ दिगंबर जैन मंदिर नेहरू नगर कोटरा सुल्तानाबाद में मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर श्री वीतराग दर्शनालय समिति,सकल दिगम्बर जैन और महिला परिषद ने मुनिराज का स्वागत किया। मंदिर समिति के महामंत्री शैलेन्द्र चौधरी ने बताया कि आज प्रात:कालीन पूजन क्रिया के पश्चात् मुनिश्री विनंद सागर जी मुनिराज ससंघ संघ सहित पद विहार नेहरु नगर जैन मंदिर में हुआ। जैन समाज द्वारा धर्म ध्वजा, जयकारों के बीच पाद-प्रक्षाल करते हुए मुनिसंघ की मंदिर जी में भव्य आगवानी की गयी। कमलानगर थाने के समीप नेहरू नगर महिला परिषद् का ओजस्वनी दिव्य-घोष बैंड ने मुनिश्री ससंघ का स्वागत और अगवानी की इस अवसर पर दिव्य-घोष की अन्य सदस्य उपस्थित थे। इस पहले मंदिर समिति के अध्यक्ष नेमीचंद जैन,राजेश भारिल्ल,मनीष जैन,राकेश जैन (अनुपम),शैलेन्द्र जैन (छोटू), डीके जैन (एग्रो)अंतिम जैन, विशाल जैन,गौरव जैन,सतीश जैन (भिड़),दिवकल जैन (भिड़),प्रसन्न जैन (आकाशवाणी),दिनेश जैन, राजकुमार जैन (अनुपम)ने मुनिश्री के विहार में समाज ने परिवारजनों सहित सम्मिलित होकर पुण्यलाभ लिया। विहार के दौरा मुनिश्री की बड़ी संख्या में नागरिको ने भक्तिभाव के साथ उल्लासपूर्वक अगवानी की। श्रद्धालुजनों द्वारा मुनिश्री संघ की आगवानी वंदन, पाद प्रक्षालन ओर आरती की गई।

व र्ग प हे ली 2551

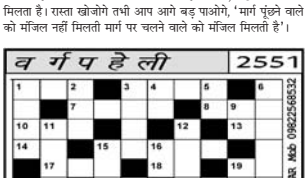

NIGITA NANDANWAR, Mob 09822568532

ं बायें से दायें:- 1) बोली, 9) अर्क, 11) ऐयाश, 12) अधिकतर, 15) खेद, 16) बुढ़ापा, 19) तपस्या, 22) देखने योग्य, 23) मना किया हुआ, 24) उचित, 25) नायाफ; गैला, 26) सूर्य से प्राप्त, 27) खुभी.

(उत्तर: अगले अंक में)

ं ऊपर से नीचे:- 1) एक भारतीय शहर, 2) बीच का, 3) काठ का बना घेरा, 4) ले आना, 5) बहुत चालाक और बदमाश का नंबर, 6) ऊँट की

पिछली पहेली का उत्तर

स	र	ऊ	रो	भा	ब	सी	ट	ना
न		स		त		ब		प
ता		काल		त		र	स	भरी
ब	सी		नि	या	स		ढ़		ब
ब		टीका			ब		सी	ध	ड़
	की	टो		पा	ड	शाला		बो
चा	य		जी	जी		न		ब	ला
बू	ला	ना		प	रि	दा		जी
च		साल		न		र	म	ढ़	ना

पंचांग

ज्योतिषाचार्य
श्रीमती सुषमा शंकरलाल पुरोहित
मो: 8823008303

रविवार 06 जुलाई 2025
सूर्योदय- प्रात: 5:38
सूर्यास्त- शाम 6:59
चंद्रोदय - 3:36
चंद्रास्त - 2:29
शक संवत् - 1946 शिववासु
विक्रम संवत - 2081 वाक्पतुक
पूर्णिमांत महीना- श्रावण
पक्ष - शुक्ल
तिथि - एकादशी रात्रि 8:32 तक पश्चात् द्वादशी।
नक्षत्र - शिशावा रात्रि 10:52 तक पश्चात् अनुराधा
योग - साध्य रात्रि 9:31 तक पश्चात् शुभ
करण - वणिज सुबह 8:13 तक पश्चात् विष्टि
सूर्य राशि - मिथुन
चंद्र राशि - तुला
हुआंक 9-4-3

मेष

दिन सामान्य। मनोवांछित कार्य सम्पन्न होने की सम्भावना। परिवार में शुभ धार्मिक कार्यक्रम हो सकते हैं। शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक- 2 , शुभ रंग - लाल।

वृष

दिन अच्छा, रुके हुए कार्य और धन हेतु प्रयास करने पर आज प्राप्त हो सकते हैं। मन मस्तिष्क तरोताजा महसूस करेंगे।शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक- 5 , शुभ रंग - लाल।

मिथुन

वाणी और क्रोध पर नियंत्रण आवश्यक, अन्यथा बनते काम बिगड़ सकते हैं। परिवार में किसी विषय पर अनावश्यक बहस हो सकती है खुद को बचा कर रखें। शिवजी को दूर्वा अर्पित करें। शुभ अंक - 6 , शुभ रंग- हरा।

कर्क

भाई बहनों से सहयोग। सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि। भूमि भवन से संबंधित कार्य आज सम्पन्न हो सकतें है। शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक- 5 , शुभ रंग- नीला।

सिंह

कार्य क्षेत्र में कुछ नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जो भविष्य गत लाभ प्रदायक। परिवार में अच्छा वातावरण। शिवजी को लाल गुड़हल का फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 1 , शुभ रंग- लाल।

कन्या

भाग्य मजबूत , आज रुके हुए कार्य पर फोकस करें। भाई बहनों से लाभ। शिवजी को धतूरा अर्पित करें। शुभ अंक- 6 , शुभ रंग- भूरा।

तुला

दिन सामान्य। वाहनादि का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। शिवजी को अनावश्यक वाद-विवाद न करें। शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक - 2 , शुभ रंग- सफेद।

वृश्चिक

स्वाफारी वर्ग के लिए दिन शुभ। खोई नयी डील आज पर सफलते हैं। परिवार में वाजा के योग सम्भव। शिवजी को लाल गुलाब अर्पित करें। शुभ अंक- 7 , शुभ रंग- पीला।

धनु

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। ज्ञान पान पॉस्टिक रखें। किसी पर अत्यधिक भरोसा नहीं करें। गुप्त विशेदी आज सक्रिय हो सकाते हैं। शिव जी को मक्खने अर्पित करें। शुभ अंक- 3 , शुभ रंग- पीला।

मकर

संतान वैजीय उत्तम समय, सोचे कार्य सम्पन्न होंगे। परिवार में अच्छा माहौल। विचारों में सकारात्मकता। शिवजी को दुर्वा अर्पित करें। शुभ अंक- 9 , शुभ रंग- पीला।

कुंभ

दिन सामान्य पर कार्य की अधिकता से भरपूर। योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाए , तो सभी कार्य व्यवस्थित होंगे। शिवजी को जल अर्पित करें। शुभ रंग- 2 , शुभ रंग- नीला।

मीन

दिन अनुकूल।भाई बहनों से सहयोग प्राप्त होगा। स्वयं भी उनके प्रति जिम्मेदारियों का निर्वाह अच्छे से कर पाएंगे। शिवजी को जल अर्पित करें। शुभ अंक- 2 , शुभ रंग- सफेद।

ग्रह स्थिति

सूर्य- मिथुन राशि में, चं. बु. बौ राशि अंत के कारण बौ के संग्रह- मिथुन राशि में, शु. राशि बाद- 6 अ. के कारण बौ के संग्रह- मिथुन राशि में सुबह, शनि राशि में सुबह, गु. बु. बौ राशि 3-6 अ. के साथ - गुरु- मिथुन राशि में सुबह - गुरु राशि में, मं. 26 अ. के दिन 10:00 के पश्चात् राशि में। राशि चेंज होगा मं. 10 राशि चेंज 14 अ. के बाद। राहु- कुंभ राशि में। केतु- सिंह राशि में।

दिशा शूल

पश्चिम दिशा में यात्रा वर्जित है। अति आवश्यक होने पर तीं का सेवन कर यात्रा से निकलें।

चौघड़िया

दा सुबह 7:30-9:00 तक
लाभ सुबह 9:00-10:30 तक
अमृत सुबह 10:30-12:00 तक
शुभ दिन 1:30-3:00 तक

अभिजीत मुहूर्त

सुबह 11.52 से दिन 12:31 तक।

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता. 2 को दिन 1:10 से रात्रि अंत तक। ता.5 को सूर्योदय से रात्रि 8:15 तक। ता. 7 को सूर्योदय से रात्रि 1:19 तक। ता. 12 को सुबह 7:22 से रात्रि अंत तक। ता. 17 को सूर्योदय से ता. 18 की रात्रि 1:41 तक। ता. 21 को सूर्योदय से रात्रि अंत तक। ता. 24 को सूर्योदय से रात्रि अंत तक। ता. 30 को सूर्योदय से रात्रि 10:34 तक।

शिवयुक्त योग - ता.1 को दिन 12:19 से रात्रि अंत तक। ता. 6 को रात्रि 8:32 से रात्रि 10:52 तक।

द्विपुष्कर योग - ता. 22 को सूर्योदय से प्रात: 6:02 तक।

रवि योग

सौरमेष: ता.3 की दोपहर 1:55 से ता.5 की रात्रि 7:55 तक। ता. 9 की प्रात: 3:20 से ता. 10 की प्रात: 4:54 तक। ता. 16 की प्रात: 5:53 से ता. 17 की प्रात: 4:54 तक। ता. 27 की सुबह 4:28 से ता. 28 की सुबह 5:39 तक। ता. 29 की सुबह 7:12 से ता.30 की रात्रि 9:57 तक।

अमृत सिद्धि योग: ता. 21 को रात्रि 8:00 से रात्रि अंत तक। ता. 24 को शाम 5:38 से रात्रि अंत तक।

ता. 24 को शाम 5:38 से ता. 25 के शाम 5:17 तक।